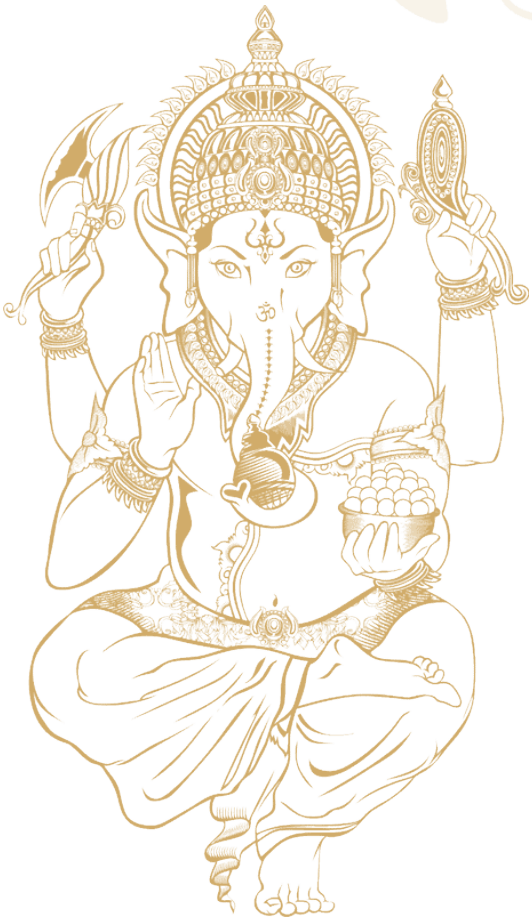

Reena Sharma

23 Nov 1973

10:00 AM

Kolkata

Model: Varshphal-2017

Order No: 120009701

तिथि 23/11/1973 **समय** 10:00:00 **वार** शुक्रवार **स्थान** Kolkata **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:29:48
अक्षांश 22:34:00 उत्तर **रेखांश** 88:21:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** 00:23:24 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	14:31:25 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:13:39 घं	योनि	महिष
सूर्योदय	05:54:36 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	16:51:18 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2030	वश्य	मानव
शक संवत	1895	वर्ग	सर्प
मास	मार्गशीर्ष	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	वायु
तिथि	14	जन्म नामाक्षर	ता-तनुजा
नक्षत्र	स्वाति	पाया(रा.-न.)	ताम्र-रजत
योग	शोभन	होरा	गुरु
करण	विष्टि	चौघड़िया	अमृत

विंशोत्तरी
राहु 1वर्ष 8मा 20दि
बुध
14/08/2010
14/08/2027

बुध	10/01/2013
केतु	07/01/2014
शुक्र	07/11/2016
सूर्य	13/09/2017
चन्द्र	13/02/2019
मंगल	10/02/2020
राहु	29/08/2022
गुरु	04/12/2024
शनि	14/08/2027

योगिनी
पिंगला 0वर्ष 2मा 9दि
उल्का
01/02/2022
01/02/2028

उल्का	01/02/2023
सिद्धा	02/04/2024
संकटा	02/08/2025
मंगला	02/10/2025
पिंगला	01/02/2026
धान्या	02/08/2026
भ्रामरी	03/04/2027
भद्रिका	01/02/2028

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			03:14:26	मक	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	शनि	---	0:00			
सूर्य			07:14:41	वृश्चि	अनुराधा	2	शनि	बुध	मित्र राशि	1.37	ज्ञाति	पितृ	विपत
चंद्र			18:43:25	तुला	स्वाति	4	राहु	चंद्र	सम राशि	1.12	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल	व		01:51:41	मेष	अश्विनी	1	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण	1.71	कलत्र	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध			18:09:04	तुला	स्वाति	4	राहु	चंद्र	मित्र राशि	1.15	भ्रातृ	ज्ञाति	जन्म
गुरु			13:29:43	मक	श्रवण	2	चंद्र	राहु	नीच राशि	1.05	मातृ	धन	मित्र
शुक्र			23:59:24	धनु	पूर्वाषाढ़ा	4	शुक्र	शनि	सम राशि	1.10	आत्मा	कलत्र	साधक
शनि	व		10:02:29	मिथु	आर्द्रा	2	राहु	गुरु	मित्र राशि	0.97	पुत्र	आयु	जन्म
राहु	व		05:16:17	धनु	मूल	2	केतु	मंगल	नीच राशि		---	ज्ञान	प्रत्यारि
केतु	व		05:16:17	मिथु	मृगशिरा	4	मंगल	सूर्य	नीच राशि		---	मोक्ष	अतिमित्र

लग्न-चलित

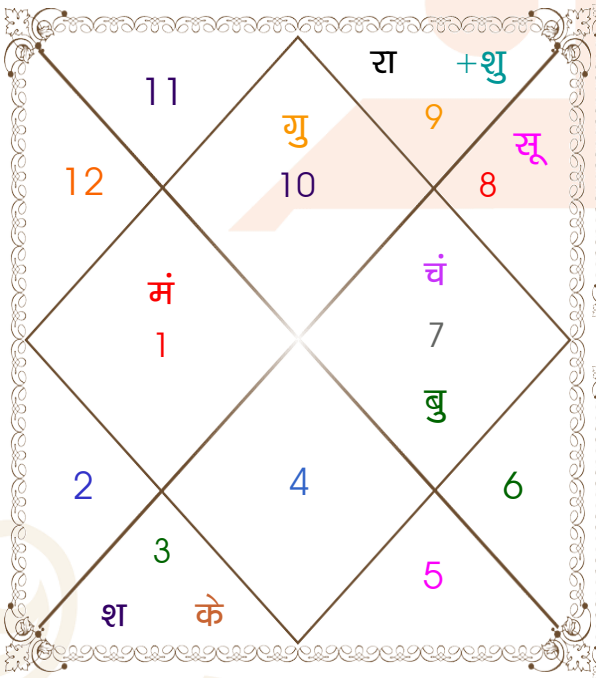

चन्द्र कुंडली

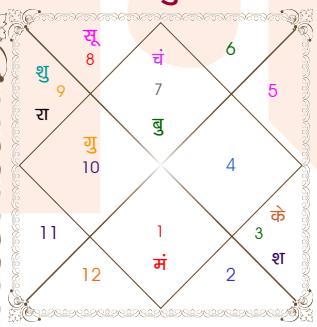

नवमांश कुंडली

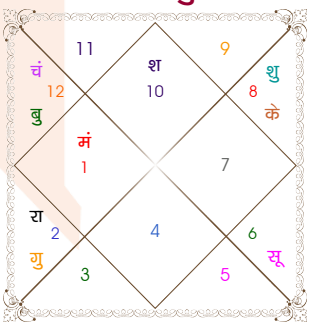

सर्वाष्टकवर्ग

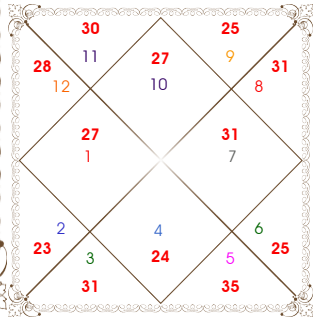

दशमांश कुंडली

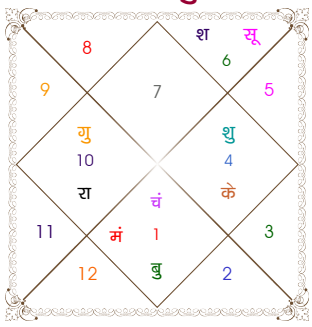

Jay maa kamakhya tantra jyotish Kendra
Shamli, Uttar Pradesh 247776, India
9653182606
chauhansushil679@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति करेंगी। साथ ही मानसिक रूप से भी समय समय पर अशान्ति तथा व्याकुलता बनी रहेगी । इस वर्ष में शत्रुपक्ष से आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे परन्तु आप भी दृढ़ता पूर्वक उनका सामना करेंगी तथा अन्ततः उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगी पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें अशान्ति तथा कलह का वातावरण रहेगा । पति से भी आपके संबंध इस समय मध्यम ही रहेंगे तथा यदा कदा तनाव उत्पन्न होने के कारण दाम्पत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। मित्र या संबंधियों आदि से भी आपके संबंध सामान्य रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। इस समय आपके रूके हुए कार्य तथा मन में सोचे हुए संकल्प भी अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे। साथ ही आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण इसमें कोई परेशानी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा अत्यंत ही परिश्रम के बाद इसमें सफलता अर्जित होगी। नौकरी या राजनीति में भी इस समय पदोन्नति में विलम्ब तथा बाधाएं उत्पन्न होंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनेताओं से आपके संबंध विशेष अच्छे नही रहेंगे अतः इनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा । सामाजिक मान प्रतिष्ठा में भी इस समय न्यूनता ही रहेगी तथा सुखोपभोग में भी अल्पता होगी। अतः शुभ फलों की प्राप्ति के लिए संघर्ष एवं परिश्रम के मार्ग पर अग्रसर रहें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं नौकरी या राजनीति में किसी प्रभावशाली पद को प्राप्त करने में सफल हो सकती है। व्यापारिक क्षेत्र में भी आपके लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा इच्छित मात्रा में धनार्जन एवं लाभ होता रहेगा साथ ही व्यापार में विस्तार तथा अन्य नवीन कार्यो को भी आप प्रारम्भ करेंगी जिससे प्रचुर आय होगी ।फलतः आर्थिक रूप से आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी। इस वर्ष शत्रु वर्ग को पराजित करने में समर्थ रहेंगी फलतः चुनाव मुकद्दमे, व्यापारिक प्रतियोगिता या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में आपको सफलता मिलने की प्रबल संभावनाएं रहेंगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के लोग या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।सामाजिक क्षेत्र में भी इस समय आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके विगत रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा भाग्योदय संबधी किसी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य में आपको सफलता मिलेगी। अन्य सांसारिक कार्यो से भी आपको खुशी होगी एवं कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आप को संतति की प्राप्ति या संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग भी प्राप्त होगा।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में वाहन संबधी सुख भी मिलेगा। अतः आपका अधिकांश समय सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगी। शत्रुपक्ष से इस वर्ष आपको समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी परन्तु दृढ़ता पूर्वक आप उनका सामना करके उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगी।इस समय आपके घर में किसी चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष में सामान्य रहेगी तथापि आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा लेकिन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस वर्ष में आपकी यात्राएं भी होंगी परन्तु इनसे कोई विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य किंचित परेशानी भी हो सकती है।

इस वर्ष में मित्र तथा बन्धुवर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे तथापि इच्छित सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। फिर भी आपको इनसे सन्तुष्टि रहेगी। नौकरी या व्यापार आदि के लिए भी वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा परन्तु स्वपराक्रम एवं परिश्रम से आप लाभ एवं उन्नति प्राप्त कर सकेंगी।साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में किसी नवीन कार्य के प्रारंभ करने के विषय में आपकी कोई योजना भी बन सकती है। इस समय आपके विगत रूके हुए कार्यो में भी न्यूनाधिक सफलता मिलेगी तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण हो सकते हैं। अतः यदि आप इस वर्ष में और अधिक परिश्रम तथा पराक्रम का प्रदर्शन करेंगी तो आपको अधिक शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

प्रथम मास

23/11/2025 17:51:36 से 23/12/2025 07:04:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	23:25:28
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	07:14:41
चन्द्र		धनु	मूल	12:31:46
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:32:56
बुध	व	वृश्चिक	विशाखा	00:06:18
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:41:58
शुक्र		तुला	विशाखा	26:34:13
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:57:26
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:29:22
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:29:22
मुंथा		वृष	कृतिका	03:14:26

मासाधिपति

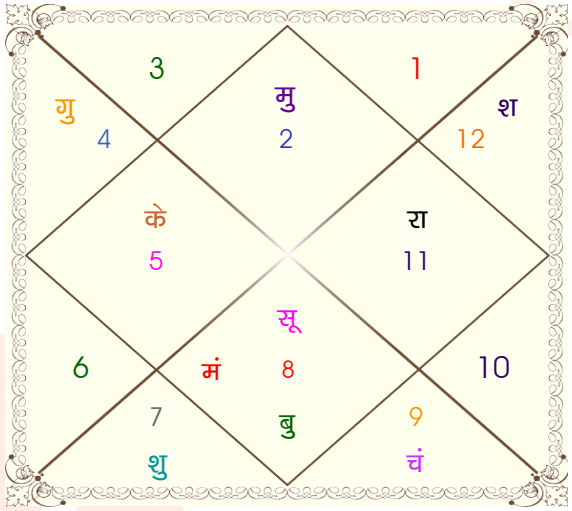

मासाधिपति : गुरु

आपका यह मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगी तथा मानसिक रूप से भी प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके पराक्रम में भी वृद्धि होगी एवं शत्रुवर्ग आपसे भयभीत होगा। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से इस समय आप सम्मान अर्जित करेंगी एवं लाभमार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही कार्य के अतिरिक्त अन्य स्रोंतो से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। आप इस मास में समाज तथा बन्धु वर्ग से पूर्ण मान सम्मान प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही भाग्यबल से आपके रूके हुए कार्य भी सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सांसारिक कार्यों में पूर्ण सफलता अर्जित करेंगी एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा न्यूनाधिक अशुभ फल भी प्राप्त हो सकते हैं। इससे आप गर्मी तथा पित्त से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से आपमें रक्त विकार भी उत्पन्न हो सकता है। अतः शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें।

द्वितीय मास

23/12/2025 07:04:58 से 21/01/2026 17:50:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:32:52
सूर्य		धनु	मूल	07:14:41
चन्द्र		मकर	श्रवण	10:48:02
मंगल		धनु	मूल	11:38:51
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:03:39
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:15:19
शुक्र		धनु	मूल	03:44:28
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:29:19
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:10:04
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:10:04
मुंथा		वृष	कृतिका	05:44:26

मासाधिपति

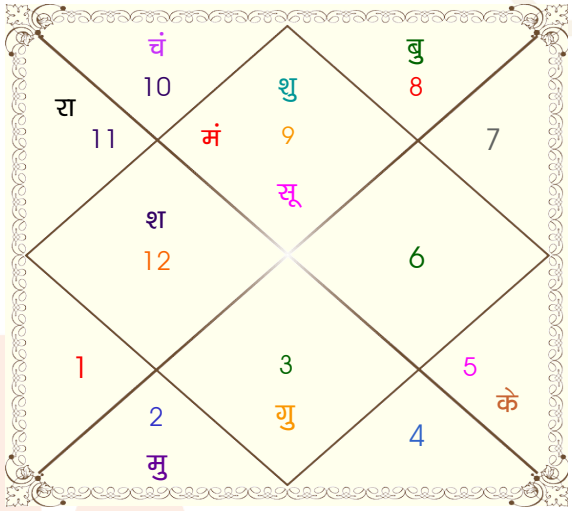

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को प्राप्त करेंगी। आपके शरीर में इस समय रुग्णता के कारण निर्बलता रहेगी तथा शत्रु भी प्रबल होंगे एवं आपके लिए अनावश्यक रूप से भय तथा चिन्ता उत्पन्न करेंगे। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगी। आपके घर में इस समय चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। यदि आप कहीं कार्य कर रही हों तो आपको अपने उच्चाधिकारियों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए अन्यथा आप दंडित हो सकती हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का भी आप अनावश्यक रूप से व्यय करेंगी। इस मास आप किसी कठोर कार्य को करने के लिए भी प्रेरित हो सकती हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ेगा अतः कोई भी कार्य आपको सोच समझ कर सम्पन्न करना चाहिए। आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से सम्बन्धों में तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज में आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त आपकी आशाएं भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगी। इससे आप पति या पुरुष वर्ग से लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा स्वबुद्धि चातुर्य से अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगी एवं किसी धार्मिक उत्सव को सम्पन्न करेंगी। इस प्रकार यह मास आप मध्यम रूप से ही व्यतीत करेंगी।

तृतीय मास

21/01/2026 17:50:30 से 20/02/2026 08:18:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	15:22:59
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:14:41
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	08:45:44
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	04:19:07
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:08:56
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:24:14
शुक्र		मकर	श्रवण	10:47:10
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:26:40
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:07:30
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:07:30
मुंथा		वृष	कृतिका	08:14:26

मासाधिपति

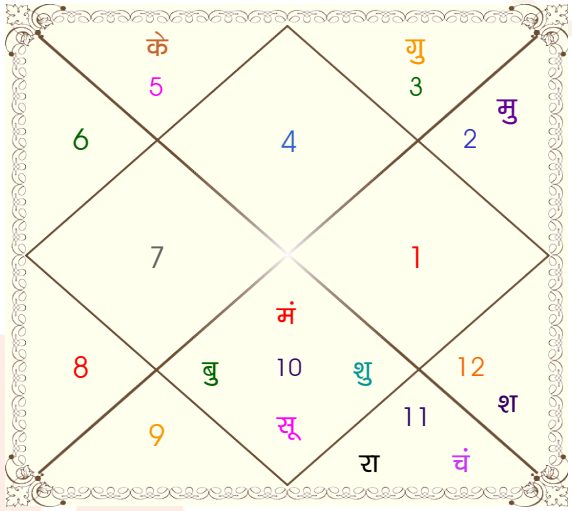

मासाधिपति : मंगल

इस महीने में आप शुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगे।पति या पुरूषवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा हृदय से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति आपकी इच्छा जाग्रत होगी एवं इसमें आप सफल रहेंगी ।मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा इनसे अपेक्षित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस मास आप वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति करेंगी एवं सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगी। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगी एवं उनसे वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी। इस समय समाज में आपका यश दूर दूर तक फैलेगा एवं सर्वत्र आपको उचित मान प्रतिष्ठा की प्रप्ति होगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतःआपको गर्मी या पित्त दोष के द्वारा शारीरिक रूप से कष्टानुभूति होगी एवं रक्त विकार की भी सम्भावना रहेगी तथा अग्नि से भी धन हानि हो सकती है। अतः सोच समझ कर अपने कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

चतुर्थ मास

20/02/2026 08:18:16 से 22/03/2026 07:45:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	19:38:15
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	07:14:41
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	09:52:14
मंगल		मकर	धनिष्ठा	27:31:16
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:18:54
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:27:07
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	17:54:02
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:27:41
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:43:34
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:34
मुंथा		वृष	रोहिणी	10:44:26

मासाधिपति

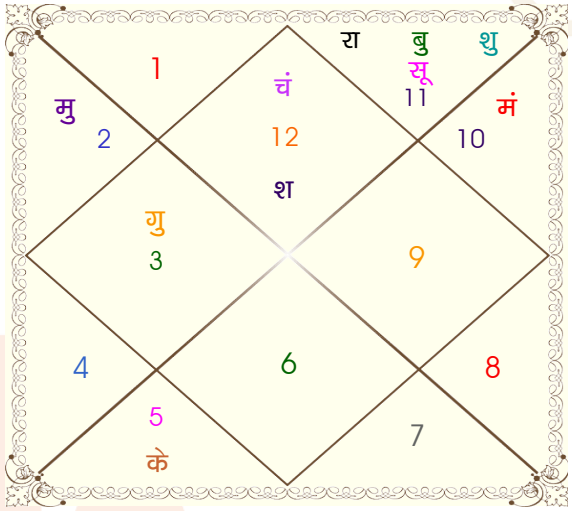

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप उत्तम एवं शुभ फलों को अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल सिद्ध होंगी। साथ ही समाज में आपकी यश तथा प्रतिष्ठा भी दूर दूर तक व्याप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए प्रवृत रहेंगी। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप कार्य करती रहेंगी। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। इससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस समय मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आप वांछित सहयोग प्राप्त करेंगी तथा उन्हें अपनी सहायता प्रदान करेंगी। इसके अलावा आप अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी समर्थ रहेगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। नाना प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग करेंगी तथा धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी जिसके फलस्वरूप आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन कर सकेंगी। इस प्रकार यह मास आपके लिए सुख दायक रहेगा।

पंचम् मास
22/03/2026 07:45:40 से 21/04/2026 19:17:25 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	16:28:42
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	07:14:41
चन्द्र		मेष	भरणी	17:38:20
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:07:35
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:20:43
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:03:22
शुक्र		मीन	रेवती	25:11:25
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:05:13
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:36:26
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:36:26
मुंथा		वृष	रोहिणी	13:14:26

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

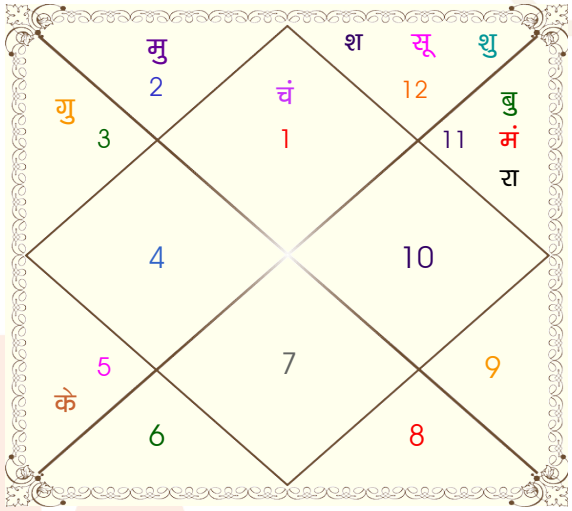

इस मास में आप शान्ति एवं सुख पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी। अतः आप उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगी एवं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सफल रहेंगी।साथ ही समाज में आपकी मान एवं प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा इनसे आपके संबध भी मधुर रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको आश्रय मिलेगा तथा उनसे पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जन करेंगी। इस मास में आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपका शत्रु वर्ग भी इस समय आपसे पराजित एवं भयभीत रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यों में भी आपको प्रचुर मात्रा में लाभर्जन होता रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी एवं पुरूष वर्ग से आप उचित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा की भावना रखेंगी तथा समाज में भी आपका यश व्याप्त रहेगा।

षष्ठ मास

21/04/2026 19:17:25 से 22/05/2026 18:49:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	25:28:24
सूर्य		मेष	अश्विनी	07:14:41
चन्द्र		मिथुन	मृगशिरा	03:49:33
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	14:53:45
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	15:26:23
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:28:08
शुक्र		वृष	कृतिका	02:36:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:49:51
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:12:59
केतु	व	सिंह	मघा	13:12:59
मुंथा		वृष	रोहिणी	15:44:26

मासाधिपति

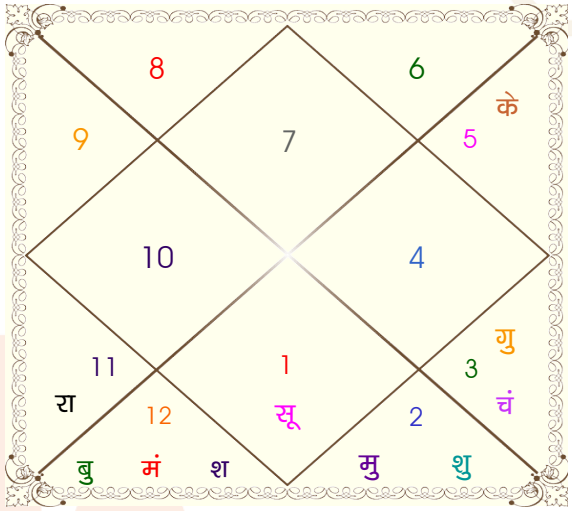

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी ।अतः आप शत्रु पक्ष से चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी तथा उनसे आप अनावश्यक कष्ट प्राप्त करेंगी। इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी साथ ही धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कमजोर रहेंगी। इस समय शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में विध्न बाधाएं उत्पन्न होती रहेंगी तथा धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा भावना में न्यूनता आएगी अतः विधिपूर्वक आप धार्मिक वृतियों कापालन नहीं करेंगी आपका स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा जिससे शारीरिक बल में न्यूनता आएगी। इस मास में दूर की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते है। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में भी आप कष्ट प्राप्त करेंगी तथा मुकद्दमे आदि में धन व्यय हो सकता है जिससे मानसिक रूप से आप अप्रसन्न तथा अशान्त रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्तदोष से उत्पन्न रोग से पीड़ित रहेंगी तथा रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

सप्तम् मास

22/05/2026 18:49:32 से 23/06/2026 02:57:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	16:08:20
सूर्य		वृष	कृतिका	07:14:41
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	25:51:51
मंगल		मेष	अश्विनी	08:29:34
बुध		वृष	रोहिणी	16:46:40
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:06:50
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	09:57:44
शनि		मीन	रेवती	17:10:12
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:28:10
केतु	व	सिंह	मघा	10:28:10
मुंथा		वृष	रोहिणी	18:14:26

मासाधिपति

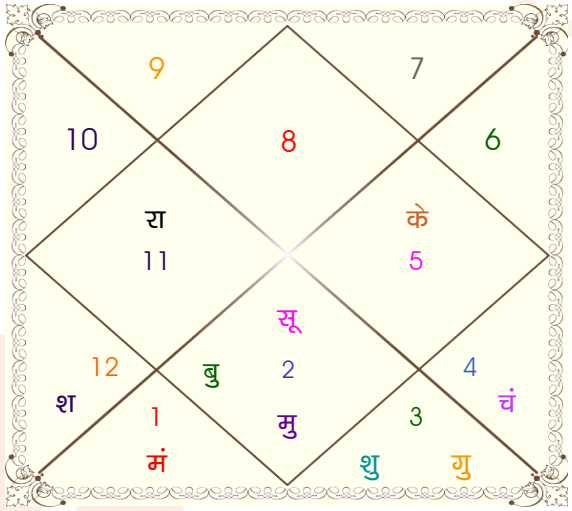

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप अशुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी तथा कई प्रकार से परेशानियां भी होगी। इस समय आप पति तथा अन्य बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगी साथ ही आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस मास में आपके उत्साह के भाव में अल्पता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः शारीरिक रूप से भी आप काफी अस्वस्थ रहेंगी तथा शरीर निर्बलता से युक्त रहेगा। इस समय आपके मन में लोभ के भाव की भी अधिकता रहेगी। मित्रों तथा बन्धुवर्गो से संबधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा सभी मित्र शत्रु की तरह आपसे व्यवहार करेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त एवं उद्विग्न रहेंगी। समाज में भी अन्य जनों से वाद विवाद या संघर्ष की स्थिति रहेगी जिससे समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। अतः सावधानी तथा बुद्धिमतापूर्वक इस समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पितोत्पनन रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी तथा रुधिर विकार की भी संभावना रहेगी। इस समय आप अग्नि द्वारा भी किसी प्रकार क्षति प्राप्त करेंगी। अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
23/06/2026 02:57:57 से 24/07/2026 13:47:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	08:16:09
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	07:14:41
चन्द्र		कन्या	हस्त	18:42:18
मंगल		वृष	कृतिका	01:31:51
बुध		कर्क	पुनर्वसु	00:15:07
गुरु		कर्क	पुष्य	04:12:56
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	16:42:25
शनि		मीन	रेवती	19:33:31
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:41:04
केतु	व	सिंह	मघा	07:41:04
मुंथा		वृष	रोहिणी	20:44:26

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

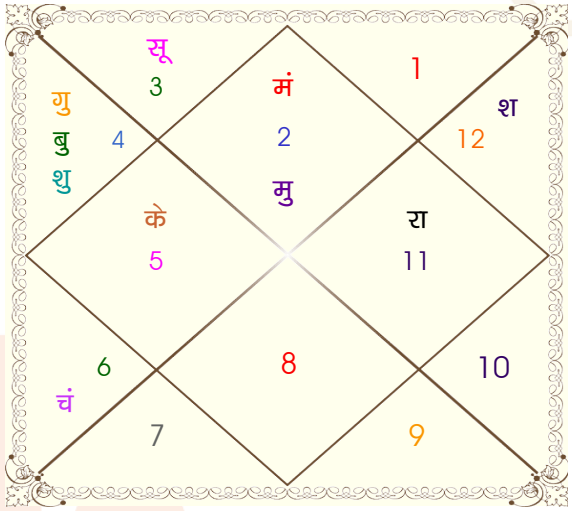

इस मास में आाप शारीरिक रूप से सामान्यतया स्वस्थ रहेंगी तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। आपके आय स्त्रोंतो में इस समय उन्नति होगी फलतः आर्थिक स्थिति सुदृढ रहेगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुपक्ष दुर्बल रहेगा एवं आपसे चिन्तित तथा भयभीत रहेगा। इस समय आप अपने उच्चाधिकारी वर्ग से सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगी। अपने प्रमुख कार्य के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोंतो से भी लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस मास में समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान प्रदान करेंगे।आपके सौभाग्य में भी इस समय वृद्धि होगी तथा कई विलम्बित महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगी तथा प्रसन्नता पूर्वक समय को व्यतीत करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी होंगे। अतः आप यदा कदा गर्मी या पितदोष से उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय किसी किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त अग्नि के कारण भी कोई हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए तथा शारीरिक सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए।

नवम् मास
24/07/2026 13:47:32 से 24/08/2026 20:34:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	04:12:35
सूर्य		कर्क	पुष्य	07:14:41
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	09:19:56
मंगल		वृष	मृगशिरा	23:37:52
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	22:05:35
गुरु		कर्क	पुष्य	11:02:10
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:45:29
शनि		मीन	रेवती	20:30:51
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:57:09
केतु	व	सिंह	मघा	05:57:09
मुंथा		वृष	रोहिणी	23:14:26

मासाधिपति

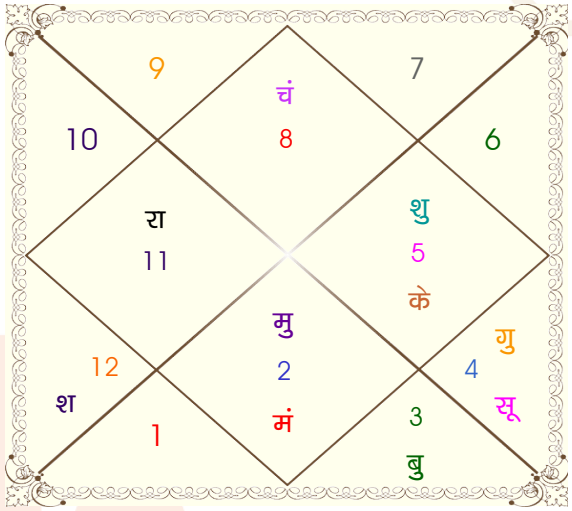

मासाधिपति : शनि

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपके पति तथा बन्धुवर्ग किसी भी प्रकार से कष्ट प्राप्त करेंगे या आपको कष्ट देंगे। आपके शत्रु इस मास में बलवान रहेंगे तथा आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। अतः आप इनसे चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा मन में लोभ के भाव की वृद्धि होगी।साथ ही धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा। अतः धनाभाव से भी आप दुःखी रहेंगी। इस समय आपके उत्साह में कमी आएगी तथा शरीर में निर्बलता भी रहेगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा आपस में तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही ऐसे समय में मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। जिससे आप मानसिक रूप से भी कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी आप का विवाद होता रहेगा।अतः संयम पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे पुरुष वर्ग से आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा अपनी बुद्धि से आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफल रहेंगी तथा अन्य प्रकार से भी धनार्जन एवं सुख की प्राप्ति होती रहेगी।

दशम् मास
24/08/2026 20:34:49 से 24/09/2026 17:49:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	28:41:02
सूर्य		सिंह	मघा	07:14:41
चन्द्र		धनु	उत्तराषाढ़ा	26:43:21
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	14:26:51
बुध		सिंह	मघा	04:06:18
गुरु		कर्क	आश्लेषा	17:54:09
शुक्र		कन्या	हस्त	22:44:23
शनि	व	मीन	रेवती	19:49:42
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:35:57
केतु		सिंह	मघा	05:35:57
मुंथा		वृष	मृगशिरा	25:44:26

मासाधिपति

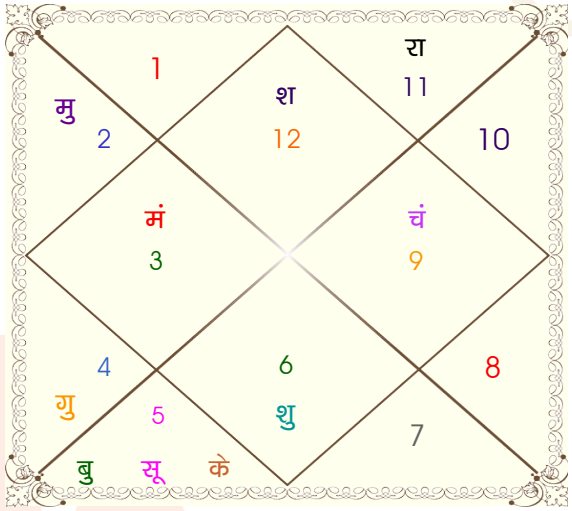

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप शुभ फलों को प्राप्त करने में पूर्ण रूप से सफल रहेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा विभिन्न प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगी। साथ ही सामाजिक जनों से आप यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में भी समर्थ रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा एवं विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करती रहेंगी। साथ ही अन्य सामाजिक जनों की भलाई के कार्यो में भी आप तत्पर रहेंगी। आपका स्वास्थ्य भी इस समय उत्तम रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग लाभ तथा धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके मनोवांछित संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा उनकी ओर से निश्चिन्त रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या स्वर्णादि के आभूषण की भी प्राप्ति कर सकती है। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

एकादश मास
24/09/2026 17:49:14 से 25/10/2026 02:46:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	14:24:18
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:14:41
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	10:31:24
मंगल		कर्क	पुष्य	03:38:04
बुध		कन्या	चित्रा	27:26:50
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:10:08
शुक्र		तुला	स्वाति	12:50:38
शनि	व	मीन	रेवती	17:50:55
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:22:31
केतु	व	सिंह	मघा	05:22:31
मुंथा		वृष	मृगशिरा	28:14:26

मासाधिपति

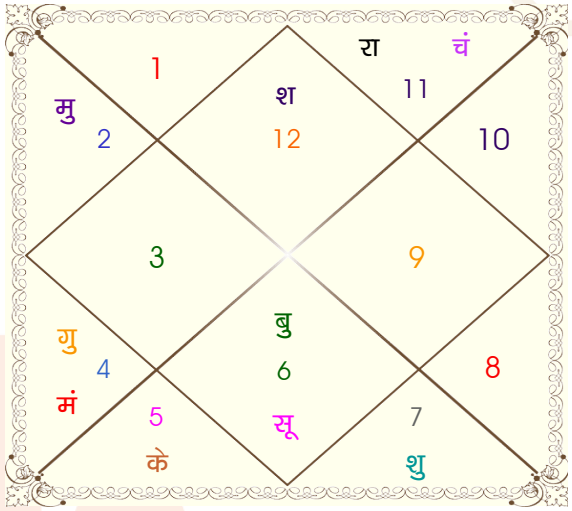

मासाधिपति : बुध

इस महीने में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम के द्वारा धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा विविध प्रकार से सांसारिक सुखों का भी प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगी। समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथा योग्य सम्मान प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मान सम्मान की प्राप्ति होती रहेगी साथ ही समाज के अन्य लोंगो की भी भलाई करती रहेंगी। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय तथा सम्मान प्राप्त होगा एवं आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी तथा रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस मास में पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

25/10/2026 02:46:13 से 24/11/2026 00:02:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:10:34
सूर्य		तुला	स्वाति	07:14:41
चन्द्र		मीन	रेवती	20:16:28
मंगल		कर्क	आश्लेषा	20:43:38
बुध	व	तुला	विशाखा	26:43:20
गुरु		कर्क	आश्लेषा	29:10:05
शुक्र	व	तुला	चित्रा	06:04:09
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:31:33
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:36:30
केतु	व	सिंह	मघा	03:36:30
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	00:44:26

मासाधिपति

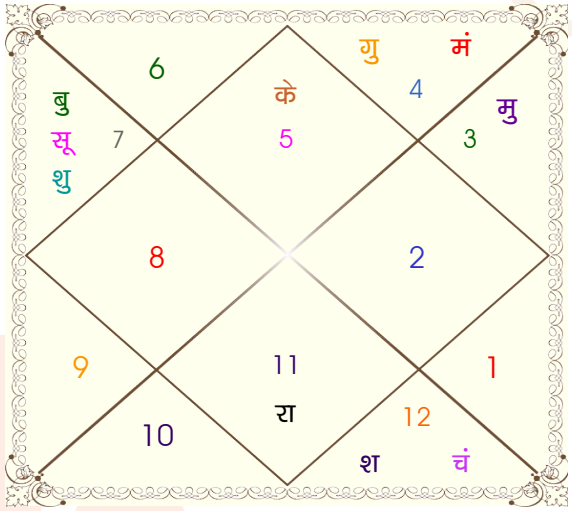

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभ फल अधिक तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय पुरूष वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करेंगी तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सम्पन्न हो जाएंगे। इससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न तथा सन्तुप्ट रहेंगी। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप रूचि शील रहेंगी तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग का आपको सहयोग प्राप्त होगा तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस समय आपको मनोच्छित पदार्थो की भी प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। संतति पक्ष से भी आप निश्चिंत रहेंगी तथा समाज में सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके रूके हुए कार्य भी इसी मास में पूर्ण होंगे।

साथ ही इस समय शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत तथा वातोत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार क्षति हो सकती है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।